जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

सारा सच अपडेट

सारा! सच

www.SaraSach.com

सच्ची बात

fnYyh l: idkf'kr fgUnh ikf{kd lekpkj i=

◆वर्ष : 6 ◆अंक : 6 ◆1 मई से 15 मई 2017 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए हिजरी 1438 RNI NO. DELHIN/2012/41828

हार पर भी माकन का इस्तीफा होगा नामंजूर

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस के प्रदर्शन पर प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन ने अपना इस्तीफा दिया था उसे आलाकमान ने निरस्त कर दिया है।

इसी के साथ दिल्ली प्रभारी पीसी चाको का भी इस्तीफा नामंजूर हो गया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

यहां पर बता दें कि एमसीडी चुनाव में कांग्रेस ने पिछली बार से भी बुरा प्रदर्शन किया है। 2012 के चुनाव में कांग्रेस को 272 सीटों में 70 सीट मिली थी, जो अब 30 पर सिमट गई है।

प्रदर्शन को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन और प्रभारी पीसी चाको ने अध्यक्ष सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी को भेजा था, उसे पार्टी ने स्वीकार नहीं किया है। इस्तीफा फिलहाल स्वीकार नहीं करने के पीछे तर्क दिया गया है कि पार्टी 9 फीसद से 22 फीसद के करीब पहुंची है, जिससे आगे बढ़ने की संभावनाएं दिख रही हैं इसलिए आगे

काम करें।

माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव 2014 से बिगड़ी कांग्रेस की सेहत के बाद यूपी, उत्तराखंड में खराब स्थिति के बाद दिल्ली नगर निगम चुनाव में पार्टी के मतदान फीसद में सुधार की बात राहुल गांधी भा गई।

वहीं, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने आधिकारिक तौर पर अभी इस्तीफा स्वीकार करने या नहीं करने की घोषणा नहीं कर रहा है।

राहुल गांधी ने पार्टी के इन दोनो नेताओं को कीप इट अप का संदेश भी दे दिया है। हालांकि इन नेताओं ने अभी पद पर कायम रहने का फैसला लेने के लिए कुछ समय मांगा है।

ih,p-Mh dh mikfèk çnku dh

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने हिंदी अध्ययनशाला की शोधार्थी उर्मिला पोरवाल (विभागाध्यक्षा हिंदी विभाग शेषाद्रीपुरम महाविद्यालय बेंगलुरु) को 26.4. 2017 पर पीएच.डी की उपाधि प्रदान की। उर्मिला पोरवाल ने डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा के निर्देशन में स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाट्यालोचन और नेमिचंद्र जैन विषय पर शोध पूर्ण किया है।

उर्मिला पोरवाल

cèkkbZ drk &ikjoky ,oa lfB;k ifjokj bnkj mTtSuA

एमसीडी चुनावों में भाजपा का परचम लहराया

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनावों में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 270 वार्डों में से 181 सीटों पर विजय हासिल की है जबकि राज्य में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी 48 सीटों पर सिमट गयी है। कांग्रेस ने 30 सीटों पर विजय हासिल की है जबकि 11 सीटें अन्यों के खाते में गयी हैं। भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी में लगातार तीसरी बार जीत हासिल कर हैट्रिक लगायी है। हाल ही में राजौरी गार्डन विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भी भाजपा–अकाली दल को भारी विजय हासिल हुई थी।

भाजपा ने दक्षिणी दिल्ली में 104 में से 71 सीटों पर जीत हासिल की जबकि आप 15 सीटें जीत पायी। कांग्रेस 12 सीटों पर विजयी रही और अन्य के हिस्से में 6 सीटें आईं।

उत्तरी दिल्ली की कुल 103 सीटों में से भाजपा 65 सीटों पर विजयी रही जबकि आप 20 सीटों पर और कांग्रेस 15 सीटों पर विजयी रही। तीन सीटों पर अन्य ने जीत हासिल की। पूर्वी दिल्ली की कुल 63 सीटों में से भाजपा ने 48 सीटों पर विजय हासिल की। आप को यहां दस सीटों पर और कांग्रेस को तीन सीटों पर विजय मिली। अन्य यहां दो सीटों पर सफल रहे।

चुनाव नतीजों ने आप को राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने के पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल के प्रयासों को खासा पीछे धकेल दिया है। भाजपा को साल 2015 के विधानसभा चुनाव में आप से मिली चौंकाने वाली हार के बाद नगर निगम में एक बार फिर पूर्ण बहुमत की ओर ले जाने वाले परिणाम पार्टी के लिये स्थानीय राजनीति में शानदार वापसी का सबब बनेंगे। इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एमसीडी चुनावों में जीत पर भाजपा को बधाई दी, कहा कि उनकी सरकार नगर निकायों के साथ मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित है। दूसरी ओर निगम चुनाव परिणाम आप के सियासी भविष्य के लिये संकट बढ़ाने वाले साबित हो सकते है। पंजाब, गोवा और राजौरी गार्डन के बाद निगम में आप की करारी हार को विपक्ष केजरीवाल सरकार के लिये ''जनमत संग्रह'' की तरह पेश कर रहा है। आप का अब तक का प्रदर्शन दिल्ली की राजनीति पर पार्टी की पकड़ को ढीला करने वाला साबित हो रहा है।

चुनाव परिणाम में तीसरे स्थान की ओर अग्रसर कांग्रेस को निगम चुनाव

'k"k i"B pkj ij

अतीक पूर्वी निगम के नए जोन उपायुक्त बने

पूर्वी दिल्ली। निगम चुनाव का परिणाम आते ही निगम अधिकारियों के कार्यभार में बदलाव कर दिया गया है। सबसे बड़ा बदलाव नगर निगम शाहदरा दक्षिणी जोन में किया गया है। यहां की जोन उपायुक्त अल्का शर्मा को हटाकर उन्हें पूर्वी निगम मुख्यालय भेज दिया गया। वे लंबे समय से जोन उपायुक्त के रूप में काम कर रही थीं। इसके पहले वे शाहदरा उत्तरी जोन में उपायुक्त थीं। शाहदरा दक्षिणी जोन में अतीक अहमद को उपायुक्त बनाया गया है। अहमद पहले भी इस जोन में उपायुक्त रहे थे, लेकिन कुछ समय पहले उन्हें यहां से हटा दिया गया है। इसके अलावा उपायुक्त डॉ.फिलिप, अतिरिक्त उपायुक्त विक्टर जेम्स, एमके सिंह, रामवीर सिंह, वीएम जॉन सहित अधिकारियों के विभागों में बदलाव किया गया है। चुनाव परिणाम आते ही इस बदलाव को निगम की कार्यप्रणाली में सुधार के रूप में देखा जा रहा है। निगम अधिकारियों का कहना है कि इस बार भले ही भाजपा फिर से सत्ता में आई है, लेकिन इस बार की भाजपा एकदम अलग है। पूर्वी निगम में भाजपा का एक भी पुराना पार्षद नहीं है। जो दो पूर्व पार्षद हैं भी उन्होंने पूर्वी निगम में कार्य नहीं किया है। वे दोनों एकीकृत निगम के दौरान पार्षद बने थे।

xMcMh bZoh,e e: ugha] ikVhZ e: gS % fo'okl

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव बुरी तरह हारने से भड़के आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता कुमार विश्वास का पार्टी पर हमला लगातार जारी है। उन्होंने पार्टी के अंदरुनी हालात पर कहा है कि हार के लिए केवल ईवीएम को दोष दिया जा रहा है। ईवीएम में ही गड़बड़ी ढूंढी जा रही है, जबकि गड़बड़िया पार्टी के अंदर भी हैं। उन्होंने भाजपा में जाने की आ रही खबरों को लेकर साफ कर दिया है कि वह पार्टी छोड़कर जाने की सोच भी नहीं रहे। कहा कि मैं क्यों पार्टी छोड़कर जाऊंगा? ये

'k"k i"B pkj ij

पहले पूरी हो जायेगी सबको मकान देने की योजना

नई दिल्ली। सभी शहरी गरीबों को आवास देने की सरकार की मंशा को पूरा करने की योजना को पूरा करने में ज्यादातर राज्यों ने हाथ बढ़ाया है। लेकिन 15 राज्यों ने इसे प्राथमिकता देते हुए निर्धारित लक्ष्य से पहले पूरा करने का ऐलान किया है। हालांकि कई राज्य ऐसे हैं, जो बहुत पीछे हैं, शहरी गरीबों की इस योजना के लिए दिल्ली ने कोई प्रोजेक्ट तैयार नहीं किया है। सबसे ज्यादा गरीबों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में नवगठित सरकार ने अपनी गति तेज की है।

केंद्रीय शहरी विकास व शहरी आवास मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शहरी गरीबों और मध्यम आय वर्ग के लोगों के अपने मकान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। योजना को तेजी से पूरा करने के लिए राज्य सरकारों की मदद बहुत जरूरी है। शहरों में अस्थाई रूप से रहने वाली आबादी के लिए किराये वाले मकान के प्रावधान के बाबत नायडू ने कहा कि इस बारे में गंभीरता से सोच रही है। इसके लिए जल्दी ही राष्ट्रीय शहरी किराया मकान नीति की घोषणा की जाएगा। इसका मसौदा

तैयार किया जा रहा है, जिसे बहुत शीघ्र केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। इस नीति के बन जाने से शहरों के प्रवासी श्रमिकों, विद्यार्थियों और अकेली कामकाजी महिलाओं की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। सरकार की इस इस किराया मकान नीति में सरकारी समर्थन

'k"k i"B pkj ij

संपादकीय

&lyhe vgen

कर्ज माफी कोई समाधान नहीं

पिछले महीने केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने संसद में यह कह कर कि उत्तर प्रदेश के किसानों की कर्ज माफी का भार केंद्र सरकार उठाएगी, एक नए विवाद को जन्म दे दिया था। अन्य राज्यों का तर्क है कि इस मामले में केंद्र सरकार भेदभाव नहीं कर सकती। भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणापत्र में उत्तर प्रदेश के किसानों के ऋण माफ करने का ऐलान किया था तो इस वायदे को पूरा करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है, केंद्र की नहीं।

कृषि मंत्री के बयान के बाद भाजपा शासित राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा में सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। उत्तराखंड में भी भाजपा और पंजाब में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कर्ज माफी का वादा किया था। समय–समय पर देश के विभिन्न राज्यों में किसानों के ऋणों को माफ किया जाता रहा है। उत्तर प्रदेश के किसानों का कर्ज माफ होने के बाद अन्य राज्यों से भी इस तरह की मांग उठने लगी है। देश के अन्नदाता के लिए कर्ज माफी का शब्द बहुत ही अच्छा लगता है लेकिन सवाल यह है कि सरकार की ओर से की जाने वाली कृषि ऋण माफी का लाभ क्या उन किसानों को मिल पाता है जो इसके वास्तविक हकदार हैं?

किसी भी किस्म की कर्ज माफी हो, यह ऐसी दर्द निवारक दवा की तरह है जिसका तात्कालिक लाभ तो मिल जाता है लेकिन यह वास्तविक रोग का निदान नहीं कर पाता। अर्थशास्त्रियों के नजरिए से देखें तो किसी भी किस्म की कर्ज माफी ठीक नहीं कही जा सकती चाहे कर्ज माफी औद्योगिक क्षेत्र के लिए हो या फिर किसानों के लिए हो। यह कर्ज ले कर काम चलाने की संस्कृति के विरूद्ध है। हाल ही रिजर्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल ने भी ऐसा ही कहा है। कर्ज वसूली की समस्या से जूझ रहे बैंक कर्ज माफी प्रस्ताव से सहमे हुए हैं। बैंकों का बैड लोन 16.6 फीसदी की खतरनाक सीमा पर पहुंच चुका है। एसबीआई का साफ कहना है कि इससे कर्ज अनुशासन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

देश में हर साल 8 से 10 हजार किसान विभिन्न कारणों से आत्महत्या करते हैं। इनमें बड़ी संख्या कर्ज में डूबे छोटी जोत वाले किसानों की ही होती है। क्या किसानों के लिए कर्ज माफी की योजनाओं का लाभ इन्हें मिल पाता है? सरकार द्वारा देश के किसानों पर 12.6 लाख करोड़ रूपए का कर्ज है। इसमें छोटे और सीमांत किसानों का हिस्सा करीब 50 फीसदी है। सब जानते हैं कि ज्यादातर छोटे किसान बैंक नहीं, साहूकारों से कर्ज लेते हैं, इसलिए सरकारी कर्ज माफी योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल पाता।

उत्तर प्रदेश में किसानों के 36 हजार करोड़ के ऋणों को माफ कर दिया गया है। अर्थशास्त्र के मुताबिक यह गलत ही है। सरकार बैंकों द्वारा किसानों को दिए गए ऋण ही माफ कर पाती है। फिर बैंकों को इस धन की भरपाई में काफी समय लगता है। किसान कर्ज माफी का लाभ साहूकारों या अन्य निजी ऋणदाताओं से ऋण लेने वाले किसानों को नहीं मिल पाता। बार–बार की ऋण माफी योजनाओं से जो किसान लाभान्वित हो जाते हैं, वे चुनाव पूर्व प्रतीक्षा में रहते हैं कि कौन सा राजनीतिक दल उनके ऋणों को माफ करने वाला है। इस तरह से ऋण न चुकाने की उनकी आदत बन जाती है।

सरकार जब ऋण माफी की योजना लागू करती है तो आमतौर पर छोटी जोत वाले किसानों को ही ध्यान में रखा जाता है लेकिन सरकार की ऋण माफी योजना का लाभ उन्हीं किसानों को मिल पाता है जिन्होंने बैंकों से ऋण लिए होते हैं। अधिकतर ये ऐसे लोग होते हैं जिनका जमीनों पर कब्जा होता है या जिन्होंने ऐसे छोटे व सीमांत किसानों की जमीन को खरीद लिया होता है। किसान आत्महत्या के आंकड़ों पर नजर डालने से छोटे किसानों के दर्द को बेहतर समझा जा सकता है। देशभर में आत्महत्या करने वाले किसानों में 44.5 प्रतिशत छोटे काश्तकार, 27.9 फीसदी सीमांत, 25.2 फीसदी मझोले किसान और मात्रा 2.3 फीसदी बड़े जमींदार हैं। बैंकों से कर्ज लेने वाली एक दूसरी श्रेणी में बड़े–बड़े उद्योग और कॉर्पोरेट हैं जो बरसों से लिया खरबों रूपए का कर्ज नहीं लौटा रहे। सवाल उठता है कि कर्ज में डूबे किसानों के लिए क्या कर्ज माफी ही एक मात्रा उपाय है? क्या इससे उनकी परेशानी का निदान हो सकता है?

जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

यह जीत आरआरएसएस की विचारधारा या अन्य दलों की विफलता

2014 में मोदी की ऐसी ऐतिहासिक जीत हुई थी जिसकी कल्पना कभी विपक्षी दलों के लिये तो दूर, खुद भाजपा के नेताओं तक को नहीं थी। अगर भाजपा के नेताओं को अपनी जीत का ऐसा अंदाजा पहले से होता तो वह एनडीए का गठबंधन बनाने की जगह खुद अकेले चुनाव लड़ती और यह सरकार एनडीए की न होकर सिर्फ भाजपा की होती परंतु चुनाव पूर्व हुए अपने गठबंधन के तहत भाजपा ने अपनी इतनी बड़ी जीत के बाद भी एनडीए की सरकार बनायी और अपने सभी घटक दलों को उनकी संख्या के हिसाब से सरकार में भागीदार भी बनाया।

अगर हम 1977 के जेपी आंदोलन के तहत कांग्रेस की पराजय को अलग कर दें तो आजादी के बाद से 1989 तक लगातार कांग्रेस पार्टी की ही सरकार रही। लगातार सत्ता में बने रहने के कारण यह पार्टी और उसके नेता खुद को जनता का निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं बल्कि देश का शासक समझने लगे और उसी अनुरूप व्यवहार भी करने लगे। जिससे देश और जनता की सेवा करने की जगह उसका ध्यान गरीबों का शोषण करने व अपने लिये अधिक से अधिक सुविधा और सम्पत्ति इकट्ठा करने में चला गया।

यूपीए की सरकार में निरंतर बढ़ती हुई महंगाई और रोज नये–नये घोटाले सामने आने के कारण मनमोहन सरकार की छवि एक कमजोर व लाचार सरकार के रूप में उभरने लगी। तब भी देश के आम लोगों में यूपीए की सरकार में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ईमानदारी और उनकी नीयत पर कोई शक नहीं था परंतु मनमोहन सिंह खुद अपने आप में एक ऐसे कमजोर और लाचार प्रधानमंत्री साबित होने लगे जिसमें उनके अपने मंत्रियों व अफसरों पर उनका कोई नियंत्राण नहीं रहा और वह इसके लिये कुछ बोल भी नहीं पाते थे।

ऐसे समय में हमारे देश के लोगों में एक ऐसे चेहरे की तलाश थी जो सिर्फ ईमानदार न हो बल्कि समझदार होने के साथ–साथ ताकतवर भी हो और उसे अपना कोई भी निर्णय स्वयं लेने की आजादी हो। भाजपा ने समय की इस मांग को भांपते हुए अपने पार्टी के सारे पुराने व बड़े नेताओं को किनारे करके गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा लोगों के सामने लाने का एक नया प्रयोग किया जो अन्य पार्टियों द्वारा दिखाये गये किसी भी चेहरे की तुलना में जनता की उस कसौटी पर कहीं अधिक खरा उतर गया। फिर बाकी के सभी दलों ने जनता में अपनी खुद की खूबियां दिखाने से ज्यादा भाजपा का विरोध करने की नीति बनाई जिसका उल्टा असर हुआ और परिणाम यह हुआ कि पूरे देश में मोदी लहर फैल गयी।

वहीं बिहार के गिरिराज सिंह और उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ जैसे लोगों ने इसे हिन्दुत्ववादी लहर का नाम देने का प्रयास किया था जिसे मोदी ने तुरंत हस्तक्षेप करके नियंत्रित कर लिया था। फिर बिहार और दिल्ली में भाजपा की हार के बाद ऐसा लगने लगा था कि एक साथ तूफान की तरह उठनेवाली यह लहर अब धीरे–धीरे कमजोर पड़ने लगी है परंतु यूपी और उत्तराखंड में बनी पूर्ण बहुमत की भाजपा की सरकार और मणिपुर व गोवा में गठबंधन की सरकार बन जाने के बाद यह सावित हो गया कि मोदी का लहर अभी कम नहीं हुई है, बल्कि और भी बढ़ गई है।

साथ ही मोदी ने यूपी में योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाकर यह भी जता दिया है कि अब वोट की ताकत सिर्फ अल्पसंख्यक मुस्लिमों में नहीं बल्कि बहुसंख्यक हिन्दुओं में भी है जिसे नरेन्द्र मोदी जैसे ताकतवर और निर्भीक नेताओं के साथ की जरूरत है।

Ikjk Ip viMV dk lfØ; y[kd

vfer R;kxh	शेरकोट
शाहजहापुर, (यू.पी.)	**Mk- unyky Hkkjrh**
nhfIr 'kek	इंदौर, (मप्र)
आगरा (यू.पी.)	**dYiuk lekuh**
iue 'kDyk	नवी मुंबई
गुड़गांव	**drh e[kth**
Mk- uhjt Hkkj}kt	लखनऊ (यूपी)
दिल्ली	**itk JhokLro**
r'kkj jkt jLrkxh	सिहोर (मप्र)
दिल्ली	**'kf'k JhokLro**
foHkkjkuh JhokLro	नई दिल्ली
बेगुसराय (बिहार)	**Mk- i#'kkÙke eh.kk**
j[kk tk'kh	**if.kek 'kek**
फरीदाबाद	मुरादाबाद (यूपी)
Hkkouk flUgk	**vueky 'kek**
गया (बिहार)	बागपत (यूपी)
Lkyhek vkfjQ	**d-lh- oek**
जकिर नगर	पटियाला
Lkèkk jkt	**lkftn vyh** खुरेजी

आखिर कब तक ?

'kcue [kku

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4. यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA) N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail :Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

plih rkM

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&fy[k&

e[; lEikned % lyhe vgen

सारा सच अपडेट

12@596 xyh ucj% 2] oLV x: vxn uxj] y{eh uxj] fnYyh&110092

E-mail : sarasach99@gmail.com

Ikjk Ip ¼viMV½

ikf{kd fgUnh lekpkj i=

&e[; lEikned&
सलीम अहमद
&lg lEikned&
उमेश कुमार झा
शाहनवाज सिद्दीकी
&lykgdkj&
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
&Nk;kdkj&
सुधीर कुमार, साजिद अली
C;jk@foKkiu ifrfufèk
&fnYyh&
रविन्दर कुमार,, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
&jktLFkku&
जयपुर–विशाल चौहान
&fgekpy in'k&
शिमला
शान मो. खान
&mÙkj in'k&
आगरा–हसीब हुसैन
अलीगढ़–मो. फरूख
फिरोजाबाद–फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर–मो. इलियास

हाई कोर्ट ने 7800 बच्चों को दाखिला देने का आदेश दिया

नई दिल्ली। नर्सरी कक्षा में उन 7800 बच्चों को भी दाखिला मिलेगा जिन्हें निजी स्कूलों ने केंद्रीयकृत लॉटरी प्रणाली में नाम आने के बावजूद अधिक उम्र बताकर दाखिला देने से इन्कार कर दिया था।

हाई कोर्ट ने इन निजी स्कूलों को आदेश दिया है कि वे उन बच्चों को दाखिला दे जिनकी उम्र तय सीमा से एक साल अधिक है।

निजी स्कूलों ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी में लगभग 10 हजार बच्चों को तय सीमा से अधिक उम्र होने के कारण दाखिला देने से इन्कार कर दिया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल व न्यायमूर्ति अनु मल्होत्रा की खंडपीठ ने दिल्ली सरकार को इस अंतरिम आदेश का पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। सरकार ने भी पीठ को भरोसा दिया है कि उम्र 4 साल से अधिक व पाच साल तक के उन सभी बच्चों को दाखिला सुनिश्चित किया जाएगा जिनका ईडब्ल्यूएस श्रेणी में दाखिले के लिए लॉटरी में नाम आया है। पीठ ने यह आदेश गैर सरकारी संगठन जस्टिस फॉर ऑल की याचिका पर दिया है। याची के अधिवक्ता ने कहा कि 4 साल से अधिक उम्र के बच्चों को दाखिला नहीं दिए जाने को न सिर्फ हाई कोर्ट के आदेश की अनदेखी बल्कि शिक्षा के अधिकार कानून के प्रावधानों का भी हनन है।

जीएसटी व डिजिटल भुगतान की बारीकियां समझ रहे व्यापारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा एक जुलाई से देश में नई कर प्रणाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लागू करने की कोशिशों के बीच व्यापारी वर्ग भी इसे अपनाने को लेकर तैयारी में है। इसी क्रम में एनडीएमसी कंवेंशन सेंटर में देशभर से 150 से अधिक व्यापारी नेता जुटे हैं जो विशेषज्ञों द्वारा जीएसटी कर प्रणाली व तकनीकी को समझ रहे हैं।

यहां दो दिवसीय व्यापारी सम्मेलन का आयोजन कंफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा किया गया। इसमें विभिन्न सत्र हैं। जिसमें विशेषज्ञ जीएसटी और डिजिटल भुगतान की बारीकियों को समझा गया। कैट के महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अभी भी काफी संख्या में देश के खुदरा कारोबारी तकनीकी से दूर हैं। ऐसे में उन्हें जीएसटी लागू होने से पहले पारंगत करने के लिए बड़े अभियान की जरूरत है। सम्मेलन में आए व्यापारी नेता अपने यहां जाकर खुदरा दुकानदारों को जीएसटी और डिजिटल भुगतान से परिचित कराएंगे। सम्मेलन में सबसे अधिक चिंता तकनीकी पर ही व्यक्त की गई। व्यापारी चाहते हैं कि जीएसटी लागू होने के बाद वह तकनीकी के झंझावतों में कम से कम फंसे। ऐसा ऑनलाइन सिस्टम हो, जिसे चलाना आसान हो। इसके अलावा क्रेडिट इनपुट को लेकर भी व्यापारी चिंतित है।

ljdkjh lsok,a vkmVlkslZ djkus futh lsDVj ls fo'ks"kK ykvks% uhfr vk;ksx

नई दिल्ली। नीति निर्माता संस्था नीति आयोग ने सरकारी प्रशासनिक तंत्र पर निर्भरता कम करने के लिए सार्वजनिक सेवाओं को निजी सेवाओं के हाथों आउटसोर्स कराने का सुझाव दिया है। नीति आयोग ने शासन तंत्र में विशेषज्ञों को शामिल करने की भी अनुशंसा की। आयोग का मानना है कि यह एक ऐसा कदम है जो स्थापित करियर नौकरशाही में प्रतिस्पर्धा लाएगा। आयोग ने हाल ही में सार्वजनिक किए गए तीन वर्षीय कार्रवाई एजेंडे की ड्राफ्ट रिपोर्ट में 2018–19 के अंत तक शासन संबंधी कामकाज को पूरी तरह से डिजिटिलाइज करने का लक्ष्य रखा है। ड्राफ्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि सिविल सेवाएं सरकार की रीढ़ हैं और इन्हें त्वरित निर्णय लेने और उन्हें लागू करने के लिए सशक्त बनाए जाने की जरूरत है। लगातार उच्च स्तरीय प्रदर्शन को केवल तभी हासिल किया जा सकता है जब इसे अच्छे प्रदर्शन को पुरस्कृत करने और खराब को दंडित करने के निष्पक्ष पैमाने पर मापा जाएगा।

डीडीए का पार्क बदहाल

संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। शकरपुर स्कूल ब्लॉक स्थित डीडीए का पार्क इन दिनों बदहाल स्थिति झेल रहा है, पार्क में सफाई न होने की वजह से कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। लोग पार्क में आने से कतराते हैं, क्योंकि यहां न तो घास है और न ही बैठने के लिए कोई बेंच। थोड़ी सी हवा चलने पर ही पार्क में मिट्टी–धूल उड़ने लगती है। स्थानीय निवासियों की कई शिकायतों के बाद भी जनप्रतिनिधि और डीडीए के अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। मजबूरी में लोगों को सेर करने के लिए दूसरे पार्कों में जाना पड़ रहा है। पार्क में कोई सुविधा न होने की वजह से यह बच्चों के लिए क्रिकेट मैदान में तब्दील हो गया है।

पार्क में आने वाले राम किशन ने बताया पार्क की ऐसी स्थिति पिछले कई वर्षों से है, सरकार ने पार्क तो बना दिया लेकिन रखरखाव नहीं कर सकी। दूसरे पार्कों की हालत बेहतर होने की वजह वहां पर सुबह शाम योग की कक्षाएं लगती है, लेकिन इस पार्क में तो कोई व्यक्ति सेर करना भी पसंद नहीं करता। बच्चों के झूले तो दूर की बात है इस पार्क में तो बैठने के लिए एक बेंच तक नहीं है। स्थानीय निवासी रमेश पारचा ने बताया कि डीडीए के अधिकारियों की वजह से पार्क बंजर हो चुका है, पार्क में लोग घूमने नहीं कूड़ा फेंकने आते हैं। पार्क के चारों कोनों में कूड़े के ढेर लगे है। सफाई कर्मचारी कूड़ा उठाने की जगह वहीं पर जला देता है। इस संदर्भ में कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों से शिकायत भी की गई लेकिन कोई हल नहीं निकल सका।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DDC
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I
Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58
Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100
Old Mahavir Nagar, Near
Mangla Hospital, New Delhi-18

Jolly Graphics
Offset, Multicolor, Screen Printing & Designing
Visiting-Wedding Card, Bill Book, Letterpad, Pamplate, Brochure, Sticker, Plasto ID Card, Keyring, Pan, Beg, Calender, Flex Board, Banner, Standy etc.
Video, Photography Marriege & Other Programme
(M) +91-9560135171, 9312007017
E-mail: jollygraphics171@gmail.com/ahmeddesigner433@gmail.com

AMAR VIDEO
STILL PHOTOGRAPHY & VIDEO COVERAGE
WITH MIXING & COMPUTERISED EFFECTS

7/27, Geeta Colony, Delhi-110031
Ph. : 2434612 Mob. : 98103-68380
Amarjit Singh

Sara Enterprises
Complete I.T. Solution &Service Management, Printing & Publication
+91-999-000-7067
www.Sara Enterprises.in

Sara Enterprises
Construction, Maintenance , Finishing Work & Inerior Decorator
+91-999-000-7067
www.Sara Enterprises.in

Sara Enterprises
Provide Security Guards, Conservancy Service & Man Power
+91-999-000-4667
www.Sara Enterprises.in

ekdfVax] ,fDtD;fVo] fMLVhC;wVj rFkk foKkiu ifrfufèk lEidZ djs

lkjk viMsV dk pkfg, egurh] l?k"kZ"khy] tq>k: C;wjks phQ ¼lHkh ftyks½] lokննkrk

पाठकों के लिए विशेष

tks Hkh ikBd vPNh dgkuh] dfork,a [kcj bR;kfn nsxk mls ehfM;k ls tqMus dk ekSdk feysxk

विज्ञापन

nks ds lkFk ,d Ýh	;k	30 ifr'kr dh NwV

gekjs lekpkj i= ds tfj, vius O;kikj dks c<k,a ;k oslkbV ij viuh ifCyflVh ds fy, lEidZ djs

lEidZ djs%
91-999-000-7067
www.sarasach.com
Email : sarasach99@Gmail.com

if'pe cxky esa c<+rh ftgknh xfrfof/k;ka&jk"Vªh; fgrks dh pukSrh

विगत कुछ वर्षों में बमबारी, हिंसा, आगजनी ,महिलाओं से दुराचार आदि की अनेक घटनाएं हुई हैं। हिंदू समाज पर हो रहे इन अत्याचारों के सर्वाधिक शिकार अनुसूचित जाति के लोग हैं। जुरानपुर, वैष्णवनगर, खड़गपुर व मल्लारपुर में इन वर्गों के 6 लोगों की हत्या हुई तथा गत दुर्गापूजा के दिनों इसी वर्ग की 17 वर्षीय एक छात्राा पर एसिड बल्ब से हमला किया जो उसकी मृत्यु का कारण बना।

भारत बंगलादेश सीमा से मात्रा 8 कि.मी. अंदर स्थित कालियाचक (जिला–मालदा) पुलिस स्टेशन पर राष्ट्र–विरोधी जिहादी तत्वों द्वारा आक्रमण कर लूटपाट करने, आपराधिक रिकार्ड जला देने तथा राज्य में अनेक स्थानों पर सुरक्षा बलों पर हमलों की बढ़ती घटनाएं, राष्ट्रीय सुरक्षा व कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन गई हैं। कट्टरपंथी मौलवियों द्वारा हिंसा को बढ़ावा देने वाले फतवे खुलेआम जारी किए जा रहे हैं।

कटवा, कलिग्राम, ईलामबाजार, मेटियाबुरूज (कोलकाता) सहित अनेक स्थानों पर कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू समाज पर आक्रमण किए जा रहे हैं। कट्टरपंथियों के दबाव में सीमावर्ती क्षेत्रों से हिंदू समाज बड़ी संख्या में पलायन को विवश हो रहा है। इन्हीं तत्वों द्वारा जाली मुद्रा तथा गोवंश की तस्करी व घुसपैठ को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्धमान बम विस्फोट की जांच करते समय एन.आई.ए द्वारा पाया गया कि पूरे राज्य में कई आतंकी समूह (मॉड्यूल) सक्रिय हैं तथा जिहादी आतंकियों का यह जाल सीमा के दोनों ओर फैला हुआ है।सुनियोजित तरीके से उपद्रव मचा रहे उन्मादी कट्टरपंथियों को मंत्री पद व अन्य महत्त्वपूर्ण राजनैतिक व शासकीय पद देकर जहां प्रोत्साहन दिया जा रहा है, वहीं राज्य सरकार हिंदू समाज के धार्मिक आयोजनों में बाधाएं खड़ी कर रही है। पिछले दिनों मोहर्रम के कारण मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का समय असामान्य रूप से कम कर दिया गया जिस पर कोलकाता उच्च न्यायालय ने भी राज्य सरकार को फटकार लगाई।

विगत कुछ वर्षों में बमबारी, हिंसा, आगजनी ,महिलाओं से दुराचार आदि की अनेक घटनाएं हुई हैं। हिंदू समाज पर हो रहे इन अत्याचारों के सर्वाधिक शिकार अनुसूचित जाति के लोग हैं। जुरानपुर, वैष्णवनगर, खड़गपुर व मल्लारपुर में इन वर्गों के 6 लोगों की हत्या हुई तथा गत दुर्गापूजा के दिनों इसी वर्ग की 17 वर्षीय एक छात्रा पर एसिड बल्ब से हमला किया जो उसकी मृत्यु का कारण बना। धूलागढ़ में 13–14 दिसंबर, 2016 को हिंदू समाज पर सुनियोजित आक्रमण में आगजनी, लूटपाट व महिलाओं से दुर्व्यवहार की वीभत्स घटनाएं हुई। राज्य सरकार द्वारा इन कट्टरपंथियों तत्वों को नियंत्रित करने के स्थान पर इन घटनाओं को पूर्णतः छिपाने का प्रयास किया गया। यह चौंकानेवाला तथ्य है कि जब कुछ निष्पक्ष पत्रकारों ने यह सारा अनाचार प्रकाश में लाने का साहस किया तो उन्हीं के विरूद्ध मुकदमे दर्ज कर दिए गए।

राज्य सरकार एक ओर राष्ट्रभक्ति का संस्कार देने वाले विद्यालयों को बंद करने की धमकी दे रहीं है, वहीं दूसरी ओर कुख्यात सिमुलिया मदरसा जैसी हजारों संस्थाओं की ओर से आंख मूंदे हुए है जिनमें कट्टरपंथी व जिहादी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कट्टरपंथियों के दबाव में पाठ्यपुस्तकों में मूल बांग्ला शब्दों का विकृतिकरण किया जा रहा है। अनेक स्थानों पर शिक्षण संस्थाओं में परंपरा से चली आ रही सरस्वती पूजा को भी बद करने का प्रयास किया जा रहा है। मिलाद–उल–नबी मनाने के नाम पर विद्यालयों का इस्लामीकरण करने आदि के प्रयासों को राज्य सरकार अनदेखा कर रही है। पिछले वर्ष कोलकाता से मात्रा 40 कि.मी. दूर 1750 विद्यार्थियों वाले तेहट्ट स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय प्रशासन द्वारा मिलाद उल नबी मनाने की अनुमति न दिए जाने पर कट्टरपंथियों ने कब्जा करके वहां अपना झंडा फहराया तथा अध्यापिकाओं को कमरे में बंद कर दिया। परिणामस्वरूप वह विद्यालय एक माह तक बंद रहा।

भारत विभाजन के समय बंगाल का हिंदू बहुल क्षेत्रा ही पश्चिम बंगाल के रूप में अस्तित्व में आया था। तदुपरांत पूर्वी पाकिस्तान या वर्तमान बंगलादेश में निरंतर अत्याचार व प्रताड़ना के कारण वहां के हिंदू नागरिक भारी संख्या में पश्चिम बंगाल में शरण लेने को बाध्य हुए। यह आश्चर्यजनक है कि बंगलादेश से विस्थापित होकर बड़ी संख्या मे हिंदुओं के प.बंगाल में आने के उपरांत भी राज्य की हिंदू जनसंख्या जो 1951 में 78.45 प्रतिशत थी, वह 2011 की जनगणना के अनुसार घटकर 70.58 प्रतिशत तक आ गई। यह राष्ट्र की एकता व अखंडता के लिए गंभीर चेतावनी का विषय है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने कट्टरपंथी हिंसा तथा राज्य की मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति की कड़े शब्दों में निंदा की है तथा समस्त देशवासियों से यह आह्वान किया है कि जिहादी हिंसा व राज्य सरकार की सांप्रदायिक राजनीति के विरूद्ध जन–जागरण करें। देश के जनसंचार माध्यमों से भी यह आग्रह किया गया है कि वे इस भीषण परिस्थिति को देश के सामने प्रस्तुत करें। प्रतिनिधि सभा ने राज्य सरकार का आ वान किया है कि वोटों की क्षुद्र राजनीति से ऊपर उठकर वह अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करें। अ.भा.प्र. ने केंद्र सरकार से भी आग्रह किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए राज्य के राष्ट्रविरोधी जिहादी तत्वों के विरूद्ध दृढ़ता से कार्रपाई सुनिश्चित करे।

भाषाई मर्यादा की दरकार

भाषा का दरख्त दिल में उगता है और जुबान से फल देता है, यानी जिसके दिल में जो होगा, वह शब्दों के जरिये बाहर आ जाएगा। किसी व्यक्ति की भाषा से उसके संस्कारों का, उसके विचारों का, उसके आचरण का पता चलता है। माना लोकतंत्रा में अभिव्यक्ति की आजादी है, सबको अपनी बात कहने का पूरा हक है लेकिन कहीं अभिव्यक्ति की इस आजादी का, इस हक का गलत इस्तेमाल तो नहीं किया जा रहा है, यह समझना भी जरूरी है।

भाषा शैली व्यक्ति के व्यक्तित्व का आईना है, समाज की सभ्यता का पैमाना है। आए दिन जिस तरह के बयान सुनने को मिल रहे हैं, क्या वे एक सभ्य समाज की निशानी कहे जा सकते हैं ? ताजा मामला पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सिर काटकर लाने वाले को इनाम देने के ऐलान का है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में बीरभूम जिले के सिवड़ी में हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता हनुमान जयंती के मौके पर जय श्रीराम के नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर आए। चूंकि पुलिस ने उन्हें जुलूस निकालने की इजाजत नहीं दी थी, इसलिए जुलूस को रोकने की कोशिश की गई। इस बार विवाद इतना बढ़ गया कि हाथापाई होने लगी। पुलिस ने गुस्साये कार्यकर्ताओं को काबू करने के लिए लाठीचार्ज कर दिया।

इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल पैदा हो गया। इसके बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता योगेश वार्ष्णेय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सिर काटकर लाने वाले को इनाम देने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि वह खुद उसे 11 लाख का इनाम देंगे जो ममता बनर्जी का सिर काटकर लाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि ऐसा घिनौना कृत्य किसी इंसान द्वारा किया जा सकता है। यह काम किसी हैवान द्वारा ही किया जा सकता है और हैवान को सजा मिलना अति आवश्यक है।

मीडिया में इस बयान के आते ही तृणमूल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामफूल उपाध्याय की शिकायत पर योगेश वार्ष्णेय के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। खैर, बात यहीं खत्म नहीं हुई। कोलकाता की टीपू सुल्तान मस्जिद के शाही इमाम सैयद मोहम्मद नुरूर रहमान बरकती ने एक कदम आगे बढ़ते हुए योगेश वार्ष्णेय के सिर की कीमत दोगुनी कर दी। उन्होंने ऐलान किया कि योगेश वार्ष्णेय का सिर कलम करने वाले को 22 लाख रुपये दिए जाएंगे। समाजवादी पार्टी के नेता भी कहां पीछे रहने वाले थे। पार्टी के पूर्व विधायक जमीरउल्लाह ने कहा कि ऐसा बयान देने वाले की जीभ काट लेनी चाहिए।

किसी का सिर काटकर लाने पर इनाम देने के ऐलान का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजा सिंह ने अपने विवादित बयान में कहा था कि जो लोग राम मंदिर बनाए जाने का विरोध करते हैं, हम उनका सिर काट देंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनका यह बयान उन लोगों के लिए है, जो यह कहते हैं कि राम मंदिर का निर्माण हुआ तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। हम उनके इस बात के कहने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि हम उनका सिर काट सकें। इसी तरह पिछले माह मध्य प्रदेश के उज्जैन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महानगर प्रचार प्रमुख डा. कुंदन चंद्रावत ने एक विवादित

किसी का सिर काटकर लाने पर इनाम देने के ऐलान का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजा सिंह ने अपने विवादित बयान में कहा था कि जो लोग राम मंदिर बनाए जाने का विरोध करते हैं, हम उनका सिर काट देंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनका यह बयान उन लोगों के लिए है, जो यह कहते हैं कि राम मंदिर का निर्माण हुआ तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

बयान देते हुए कहा था कि कोई हत्यारा केरल के सीएम का सिर काटकर ला दे, वह अपनी एक करोड़ रूपये की संपत्ति उसके नाम कर देंगे। दरअसल, आज सहनशीलता कम हो रही है। लोग अपनी आलोचना जरा सी भी बर्दाश्त नहीं कर पाते। जहां कोई ऐसी बात हुई जो उनके मन मुताबिक न हुई या जो उन्हें पसंद नहीं आई तो वे आग बबूला हो उठते हैं। सारी मान–मर्यादाएं ताख पर रख देते हैं और ऐसे बयान दे डालते हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने ही विवादित बयान दिए हैं। इस मामले में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी आदि के नेता भी पीछे नहीं हैं।

भारतीय संस्कृति में महिलाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। नारी को नारायणी कहा गया है, देवी कहा गया है लेकिन हकीकत में देश और समाज के कर्ताधर्ता महिलाओं के खिलाफ अपशब्द बोलने से बाज नहीं आ रहे हैं। हाल के कुछ सालों में सियासत में भाषाई मर्यादा खत्म होने लगी है।

केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ऐसे बयानवीरों की लंबी फेहरिस्त है जिनके बयानों ने देश में हंगामा बरपा किया है। यह बेहद अफसोस की बात है कि सत्ता के उच्च पदों पर बैठे लोग भाषाई मर्यादा के मामले में बेहद बौने साबित हो रहे हैं।

बहरहाल, उच्च पदों पर बैठे वाले लोगों खास कर सामाजिक क्षेत्रा में काम करने वालों को इस तरह के बयानों से बचना चाहिए। ऐसे बयानों से समाज में कटुता बढ़ती है। ऐसे बयान देश की एकता और अखंडता के साथ–साथ समाज के चैन–अमन के लिए भी खतरनाक हैं। देश और समाज में वैमनस्य फैलाने वाले इन बयानों में तेजी आई है, तो इसके लिए वरिष्ठ नेता भी जिम्मेदार कहे जा सकते हैं जिन पर अपने कार्यकर्ताओं को भाषा की मर्यादा व देश की संस्कृति सिखाने की जिम्मेदारी है।

iFke i"B dk 'k"k

,elhMh pukoks esa---

के जरिये दिल्ली में अपनी खोई जमीन वापस पाने की कोशिशों को करारा झटका लगा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन ने निगम चुनाव में कांग्रेस को तीसरे स्थान पर धकेलने वाले परिणाम पूरी तरह से घोषित होने से पहले ही हार की जिम्मेदारी लेते हुये अपने इस्तीफे की पेशकश की है।

xMcMh blh,e es ugh---

पार्टी मेरी है और ये मेरे घर से बनी है। इसलिए मेरे कहीं जाने का सवाल ही नहीं उठता। विश्वास ने विस्तार से पार्टी के भीतर की समस्या पर बात करते हुए कहा कि जमीन में मुंह देने से सेहरा में तूफान खत्म नहीं हो जाता। पार्टी के कार्यकर्ता को बहुत दुख होता है जब हम कुछ लोग मिलकर बात करके फैसले कर लेते हैं। किसी फैसले पर स्पष्टीकरण नहीं देते, मौन हो जाते हैं। ये गलतियां हमसे पिछले दो साल में हुई हैं और इसे सुधारनी होगी।

आप नेता कुमार ने कहा कि अरविंद को राष्ट्रीय संयोजक बने रहना चाहिए। उनके नेतृत्व पर किसी को कोई शंका नहीं है। ऐसा नहीं होता कि एक चुनाव हार गए तो आप लीडर बदल लेंगे, आज हारे हैं है तो कल जीते भी थे।पार्टी में संजय सिंह, आशीष तलवार, दिलीप पांडेय और दुर्गेश पाठक के इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि इस्तीफे देने से स्थिति नही बदल जाती, क्योंकि आज ये लोग कुछ कर रहे हैं तो कल यही लोग कुछ और करेंगे।

igyh ijh gk tk,xh---

से सामाजिक किराया मकान और बिना सरकारी समर्थन के बाजार प्रेरित किराया मकान में निवेश को प्रोत्साहित करने के उपाय शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सभी के लिए मकान मिशन के पूरक के रूप में किराया का मकान कारगर होगा। एक बड़ी आबादी ऐसी होती है, जो हर शहर में मकान बनाने के बजाय किराये पर रहना पसंद करती है।

djsyk Mk;fcVht tSls dbZ jksxksa dks nwj

लेटिन में मोर्डिका तथा अंग्रेजी में बिटर गॉर्ड के नाम से पुकारा जाने वाला करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होते हैं। यह अपने स्वाद के कारण काफी प्रसिद्ध है। इसका स्वाद बहुत कडुवा होता है इसलिए प्रायः कडुवे (बुरे) स्वभाव वाले व्यक्ति की तुलना करेले से कर दी जाती है। एक अच्छी सब्जी होने के साथ्साथ करेले में दिव्य औषधीय गुण भी होते हैं। यह दो प्रकार का होता है बड़ा तथा छोटा करेला। बड़ा करेला गर्मियों के मौसम में पैदा होता है जबकि छोटा करेला बरसात के मौसम में। चूंकि इसका स्वाद बहुत कड़ुवा होता है इसलिए अधिकांश लोग इसकी सब्जी को पसंद नहीं करते। इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए इसे नमक लगाकर कुछ समय तक रखा जाता है।

करेले की तासीर ठंडी होती है। यह पचने में हल्का होता है। यह शरीर में वायु को बढ़ाकर पाचन क्रिया को प्रदीप्त कर, पेट साफ करता है। प्रति 100 ग्राम करेले में लगभग 92 ग्राम नमी होती है।

साथ ही इसमें लगभग 4 ग्राम कार्बोहाइट्रेट, 1.5 ग्राम प्रोटीन, 20 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फास्फोरस, 1.8 मिलीग्राम आयरन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में वसा भी होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन सी भी होता है जिनकी मात्रा प्रति 100 ग्राम में क्रमशः 126 मिलीग्राम तथा 88 मिलीग्राम होती है।

नमी अधिक तथा वसा कम मात्रा में होने के कारण यह गर्मियों के लिए बहुत अच्छा है। इसके प्रयोग से त्वचा साफ होती है और किसी प्रकार के फोड़े–फुन्सी नहीं होते। यह भूख बढ़ाता है, मल को शरीर से बाहर निकालता है। मूत्र मार्ग को भी यह साफ रखता है। इसमें विटामिन ए अधिक होने के कारण यह आखों की रोशनी के लिए बहुत अच्छा होता है। रतौंधी होने पर इसके पत्तों के रस का लेप थोड़ी–सी काली मिर्च मिलाकर लगाना चाहिए। इस रोग के कारण रोगी को रात में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता।

विटामिन सी की अधिकता के कारण यह शरीर में नमी बनाए रखता है और बुखार होने की स्थित में बहुत लाभकारी होता है। करेले की सब्जी खाने से कभी कब्ज नहीं होती यदि किसी व्यक्ति को पहले से कब्ज हो तो वह भी दूर ही जाती है।

इससे एसीडिटी, छाती में जलन और खट्टी डकारों की शिकायत भी दूर हो जाती है। बढ़े हुए यकृत, प्लीहा तथा मलेरिया बुखार में यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होता है। इसके लिए रोगी को करेले के पत्तों या कच्चे करेले को पीसकर पानी में मिलाकर पिलाया जाता है।

यह इस दिन में कम से कम तीन बार पिलाना चाहिए। कच्चा करेला पीसकर पिलाने से पीलिया भी ठीक हो जाता है। रस निकालने से पहले पत्तों या करेले को ठीक से रगड़कर धोना जरूरी होता है क्योंकि आजकल फल सब्जियों को रोगों तथा कीड़ों से बचाने के लिए अनेक रसायन छिड़के जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं।जोड़ों के दर्द तथा गठिया रोग में करेले की सब्जी बिना कडुवापन दूर किए दिन में तीनों समय अर्थात सुबह नाश्ते में और फिर दोपहर तथा रात्रि के भोजन में खाई जानी चाहिए। फोड़े–फुन्सी तथा रक्त विकार में करेले का रस लाभकारी होता है।

इन पर करेले के पत्तों का लेप भी किया जा सकता है। करेले का रस निकालते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा पतला न हो और उसे साफ बर्तन में निकाला जाए।करेले के रस की एक चम्मच मात्रा में शक्कर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है।

यह शरीर में उत्पन्न टॉकसिन्स तथा उपस्थित अनावश्यक वसा को दूर करता है अतः यह मोटापा दूर करने में भी विशेष रूप से सहायक होता है। जिस स्त्री को मासिक स्राव बहुत कठिन तथा दर्द भरा हो तो उसे भी करेले के रस का सेवन करना चाहिए।

स्वास्थ्य की चाबी हमारे ही हाथ

वैसे तो हमारे स्वास्थ्य की चाबी हमारे ही हाथ में होती है। फिर भी पूरे परिवार की तंदुरुस्ती का आधार घर की स्त्री पर ही निर्भर होता है। अगर वह घर के बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक में पौष्टिक आहार खाने की आदत डालती है तो शारीरिक स्वस्थता के साथ–साथ उम्र भी बढ़ती है।

सामान्य रूप से आज की लाइफ स्टाइल ऐसी हो गई है कि हम क्या खा रहे हैं इस पर ज्यादा ध्यान ही नहीं देते। हमें कोल्ड ड्रिंक्स, पीजा, सैंडविच, पकौड़े और तली हुई चीजें ज्यादा पसंद आती हैं। कहीं पार्टी का निमंत्रण हो तब भी हमें ऐसी ही चीजें ज्यादा पसंद आती हैं जबकि ऐसी जगहों पर सलाद, जूस, सूप, नींबू पानी, पुलाव, सब्जियां, रायता आदि भी होता है।

जैसे–जैसे लोगों के मन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आती जा रही है वैसे–वैसे लोग डायटिंग की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। डायटिंग करने वाले कुछ लोग भोजन के नाम पर उबला हुआ खाना खाते हैं पर वास्तव में ऐसे भोजन का क्या फायदा जो न तो हमें स्वाद दे और न ही संतुष्टि। हमारे भोजन का संबंध हमारे शरीर के साथ्साथ मस्तिष्क से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए अगर हमें भोजन से आनंद और संतुष्टि नहीं मिलेगी तो मानसिक तनाव पैदा होगा जिसका विपरीत असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

महिलाओं को चाहिए कि वह अपने घर में सभी सदस्यों को दिन में एक बार फ्रेश फ्रूट खाने की आदत डालें। खाने में जिस तरह से क्या खाना चाहिए का महत्व है उसी तरह कब, कैसे और किस स्थित में क्या खाना चाहिए, जैसी बातों का भी महत्व है। अगर समय पर भोजन नहीं किया जाए तो बदहजमी, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं क्योंकि आहार के साथ हमारी पाचन क्रिया का संबंध है। महिलाओं को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि घर का कोई भी सदस्य खाने में जल्दबाजी नहीं करे। खाने में पूरा समय देना चाहिए तथा संपूर्ण ध्यान खाने पर ही केंद्रित होना चाहिए। अगर हम गुस्से में खाना खाते हैं तो खाया हुआ सारा खाना जल जाता है।

दिन की शुरुआत से लेकर दिन ढलने तक हमारी शारीरिक क्रियाएं बदलती रहती हैं। सूर्योदय से दोपहर तक हमारी पाचन शक्ति तीव्र रहती है। बाद में जैसे–जैसे दिन ढलता है, सूर्यास्त होता है वैसे–वैसे शरीर के अंग आराम चाहते हैं। पाचक रस भी मंद होने लगते हैं इसलिए तो पुराने समय में लोग सूर्यास्त तक रात्रि भोजन कर लिया करते थे। सोते समय खाने से रक्त को आक्सीजन कम मिलती है जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। स्वस्थ जीवन के लिए मात्र संतुलित भोजन ही जरूरी नहीं है इसके साथ ही हमारी आदतें भी अच्छी होनी चाहिए जिसकी तरफ लोग अकसर ध्यान नहीं देते। स्वस्थ रहने के लिए खाने का पूरा मजा लूटना भी जरूरी है। इसलिए घर की महिलाओं को चाहिए कि वह एक तो तेल या घी का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करें साथ ही मिर्च–मसालों पर नियंत्रण रखते हुए कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर स्वादिष्ट भोजन बनाएं। साथ ही घर के सभी सदस्यों को एक साथ ही खाने के लिए प्रेरित करें नहीं तो कम से कम खाने का समय तो निश्चित कर ही दें ताकि वक्त–बेवक्त खाना खाकर स्वास्थ्य खराब नहीं हो।

पुखराज की पहचान के कुछ उपाय

ज्योतिषशास्त्र में गुरू को ज्ञान, धन, मान–सम्मान, विवाह एवं संतान सुख प्रदान करने ग्रह कहा गया है। जिनकी कुण्डली गुरू की स्थिति कमज़ोर होती है उन्हें मान–सम्मान एवं धन संबंधी परेशानियों का सामना बार–बार करना पड़ता है। इनकी शिक्षा में भी बाधा आती है। ज्योतिषशास्त्र में बताया गया है कि गुरू के कमज़ोर होने की वजह से जीवन में आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए गुरू को मजबूत बनाना चाहिए। इसके लिए गुरू का रत्न पुखराज ध ाारण करने की सलाह लगभग सभी ज्योतिषी बताते हैं। गुरू के शुभ होने पर भी गुरू का रत्न धारण करना अच्छा माना जाता है।

गुरू ग्रह के शुभ फलों में वृद्धि करने की योग्यता होने की वजह से पुखराज की कीमत सामान्य रत्नों से काफी अधिक होती है। आमतौर पर बाजार में पुखराज की शुरूआत कीमत 1 हजार प्रति कैरेट होती है। इसके ऊपर पुखराज की गुणवत्ता के अनुसार इसकी कीमत बढ़ती रहती है। बहुत से रत्न व्यापारी अधिक मुनाफे की लालच में कोई भी पीला पत्थर पुखराज बताकर ग्राहक को पकड़ा देते हैं। इसलिए पुखराज खरीदते समय ठगे जाने की संभावना अधिक रहती है।

भारत के कुछ सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन

–फहमीना

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशन का मजा लेना चाहते हैं। भारत में लोगों के बीच हिल स्टेशन का जबरदस्त क्रेज है। आप पहाड़ियों और प्राकृतिक की गोद में अपना समय बिताना चाहते है तो हिल स्टेशन से बढ़िया कोई और जगह नहीं है। हिल स्टेशन अपनी प्रकृति और शुद्ध हवाओं से हनीमून कपल को जिंदगी को यादगार बना देती हैं। नवविवाहित जोड़े अपनी नई जिदंगी की शुरुआत को खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो भारत के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन डिस्टनेशन की सैर पर जाएं।

ऊटीः नीलगिरि या नीले पर्वतों में बसा ऊटी दक्षिण भारत के सबसे प्रमुख हिल स्टेशनों में से एक है। ऊटी नवविवाहित जोड़े को टॉय ट्रेन के जरिए अपनी ओर आकर्षित करता है। भारत में ऊटी शहर हनीमून मनाने वालों की पसंदीदा जगह रहा है। शहर की भीड़भाड़ से दूर हनीमून कपल के लिए यह एक उम्दा स्पॉट है। खूबसूरत प्राकृतिक नजारे, घने जंगल, झरने, पहाड़ की चोटियां और दूर–दूर तक फैले चाय के बागान हनीमून कपल का मन मोह लेते हैं। ऊटी का नैसर्गिक सौंदर्य, धुंध से ढकी पहाड़ों की चोटियां, ओस से भीगी पेड़ों की पत्तियां और अनेक

ऊटीः नीलगिरि या नीले पर्वतों में बसा ऊटी दक्षिण भारत के सबसे प्रमुख हिल स्टेशनों में से एक है। ऊटी नवविवाहित जोड़े को टॉय ट्रेन के जरिए अपनी ओर आकर्षित करता है। भारत में ऊटी शहर हनीमून मनाने वालों की पसंदीदा जगह रहा है। शहर की भीड़भाड़ से दूर हनीमून कपल के लिए यह एक उम्दा स्पॉट है।

खूबसूरत नजारों को देखकर मन प्रफुल्लित हो जाता है।

खंडालाः खंडाला महाराष्ट्र का बेहतरीन और हनीमून कपल के लिए खास हिल स्टेशन है। पर्वतीय स्थल खंडाला का नाम किसी भी पर्यटक सूची में सबसे पहले होता है। खूबसूरत पहाड़ों और झरनों के बीच बसे इस लोकप्रिय हिल स्टेशन का मनोरम दृश्य किसी को भी मोहित कर देगा। मानसून के दौर यहां का नैसर्गिक सौंदर्य जीवंत हो उठता है। चारों ओर हरियाली छा जाती है और सभी सूखे झरने और तलाब पानी से भर जाते हैं। सहयाद्रि पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों और घाटियों में बसे इस स्थान पर पूरे साल भर आनंददायक मौसम रहता है। कपल्स विभिन्न आकर्षण स्थलों अमृतांजन पॉइंट, ड्यूक्स नोज़, रेवुड पार्क और भुशी बांध आदि पर जाकर आनंद ले सकते हैं।

धनौल्टीः शहर की भीड़भाड़ से दूर धनौल्टी के घने जंगल में हनीमून कपल को काफी सुकून मिलती है। ऊंचे–ऊंचे देवदार और बलूत वृक्षों के बीच स्थित इस हिल स्टेशन का नजारा बेहद शांत और आकषर्क लगता है। उत्तराखंड की गोद में स्थित धनौल्टी गढ़वाल का मशहूर हिल स्टेशन है जो मसूरी से लगभग तीस किलोमीटर दूर स्थित है। धनौल्टी काफी शांतिपूर्ण स्थल के रूप में भी जाना जाता है। देखने लायक जगहों में बारेहीपानी और जोरांडा फॉल्स, दशावतार मंदिर, ईको–पार्क, सुरकंडा देवी, जैन मंदिर आदि शामिल हैं। धनौल्टी प्रकृति की गोद में एक अत्यंत खूबसूरत पर्यटक स्थल है।

कसौलीः कसौली हिमाचल प्रदेश का छोटा पर्वतीय स्थल है। यहां प्रत्येक ऋतु व मौसम में तरह–तरह के रंग–बिरंगे फूल इस जगह को और भी आकर्षित बनाते है जो पर्यटकों का मन मोहने के लिए काफी हैं। कसौली शांत, साफ–सुथरा और खूबसूरत पर्यटन स्थल है। फूलों की खुशबू से महकती हरियाली, खूबसूरत घाटियां, कल–कल बहती नदियां, पहाड़ों से निकलकर झूमते झरने पर्यटकों को लुभाने का दम रखते हैं। घाटी के मनोरम दृश्यों के साथ ही लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करता है। कसौली ताजगी और शांति का आदर्श हनीमून डिस्टनेशन है। सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट और लॉरेंस स्कूल कसौली के पर्यटन स्थल है जो विश्व में भी प्रसिद्ध हैं। प्रकृति के बीच स्थित यह शहर क्राईस्ट चर्च, मंकी पॉइंट, कसौली भट्ठी और गोरखा फोर्ट (किला) के लिए भी जाना जाता है।

स्वर्णिम इतिहास का प्रमाण है महाबलीपुरम

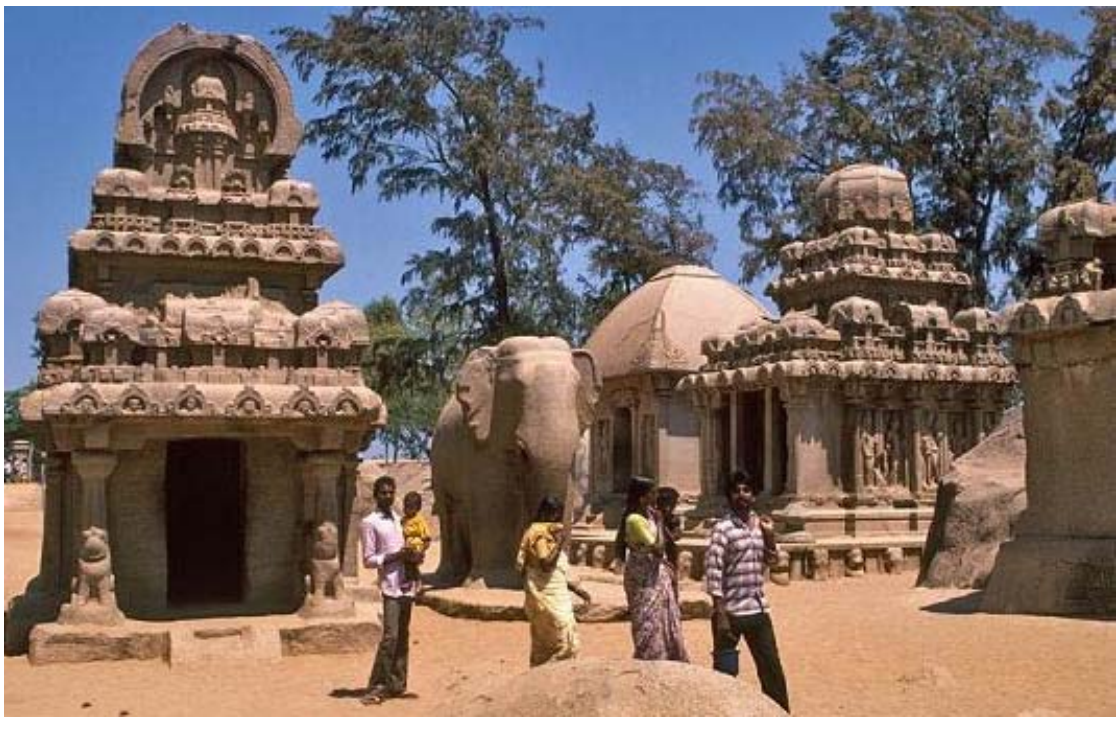

तमिलनाडु में स्थित मामल्पुरम (जिसे महाबलीपुरम भी कहा जाता है) एक बहुत ही सुंदर समुद्रतट है और साथ ही दक्षिण भारत के स्वर्णिम इतिहास का जीता–जागता प्रमाण भी। इस शहर को इसे पल्लव राजवंश के राजा महेन्द्र बर्मन ने 7वीं सदी में बनवाया था। यहां की शिल्पकला अत्यंत सुंदर है और दर्शकों का मन मोह लेती है।

पंचरथ यहां का खूबसूरत स्थल है। ये एक ही पत्थर से बने हुए मंदिर हैं जिन्हें पांच पांडवों का नाम दिया गया है। ये रथ के आकार में बनाए गए हैं। ये मंदिर दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिरों की एक झांकी प्रस्तुत करते हैं।

पल्लव कला का आखिरी नमूना है शोर टेंपल। यह 7वीं सदी में राजसिम्ह नामक राजा ने बनवाया था। इस मंदिर की विशेषता है भगवान शिव और विष्णु के लिए बनाए गए तीर्थस्थान। यह धर्मराज रथ को देख कर बनाया गया है। बास रिलीफ व्हेल मछली के आकार की विश्व की सबसे बड़ी चट्टान मानी जाती है। इसके एक तरफ देवीध्देवताओं की मूर्तियां तथा दूसरी ओर विभिन्न जानवरों की मूर्तियां उकेरी गई हैं। इसकी शिल्पकला देखने लायक है।

महिषासुरमर्दिनी की गुफा और मंडप की गुफाओं में महिषासुर का वध करते हुए मां दुर्गा की एक मूर्ति है और दूसरी गुफा में नाग देवता पर लेटे हुए भगवान विष्णु की मूर्ति है। यहां आठ मंडप भी हैं जिनकी कला अवर्णनीय है।

महाबलीपुरम से लगभग 53 किलोमीटर दूर स्थित वेदंगतल नामक स्थल पक्षी अभयार.य के लिए प्रसिद्ध है। यहां नवंबर से फरवरी तक पक्षी आते हैं। आप क्रोकोडा0इल बैंक भी देखने जा सकते हैं। यहां विभिन्न प्रजातियों के करीब पांच हजार मगरमच्छ रहते हैं। यह सुबह 8.30 से शाम 5.30 तक खुला रहता है।

मुथकडु कोवलम के उत्तर में स्थित है। यह स्थल बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स के लिए बनाया गया है। यहां पर्यटकों को बोटिंग का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। यहां शंख, सीपियों और पत्थर का बना सामान प्रसिद्ध है। महाबलीपुरम जाना चाहें तो याद रखें कि अक्टूबर से जनवरी तक का समय यहां आने के लिए उपयुक्त है।

www.sarasach.com
सारा सच Update
Web · Print · Media

lkjk lp ,d tfj;k g} nfu;k dh lcl cMh ifl) lk'ky uVofdZx lkbV ij viu dkjkckj dk cM yoy ij c<kus d fy, lkjk lp v[kckj@oclkbV e foKkiu ndj viuh ifCyflVh djok, D;kfd lkjk lp u bu ij viuh ikQkby@vkbMh cukdj viuh igpku cukbZ g} vkj ykxk dk viu lkFk tkMdj ge'kk viMV jgrk gA lEidZ dj % $91&999&000&7067

E-mail : sarasach99@Gmail.com
JOIN-US Facebook Google Plus

0;kikj lekpkj

fon'k tku d fy, lLrk gvk gokbZ fdjk;k

नई दिल्ली। भारत से लंदन, सिंगापुर, सिडनी, कुआलालंपुर जैसे विदेशी स्थलों के लिए हवाई सफर इस गर्मी में सस्ता हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मार्गो पर क्षमता बढ़ोतरी के बीच हवाई किराये की दरें 28 फीसद तक कम हुई हैं।

0;kikj

ब्रसेल्स एयरलाइंस सहित विदेशी वाहकों के प्रवेश ने भी 2016 के मुकाबले इस साल अप्रैल में एयरलाइंस को टिकट के दाम कम रखने पर बाध्य किया। टूर एंड ट्रैवल फर्म कॉक्स एंड किंग्स के अध्ययन में यह बात कही गई है।अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली–लंदन यात्र के लिए हवाई किराये इस साल अप्रैल में 19 फीसद घटकर 31,800 रुपये रह गए। जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह किराया 39,497 रुपये था। इसी तरह नई दिल्ली से सिंगापुर के लिए भी हवाई किराया इस साल अप्रैल में 22 फीसद घटकर 22,715 रुपये पर आ गया। यह अप्रैल, 2016 में 29,069 रुपये था। कॉक्स एंड किंग्स में बिजनेस ट्रैवल के प्रमुख जॉन नायर ने कहा कि अध्ययन से संकेत मिलता है कि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इस साल हवाई किराया सस्ता रहा है।अध्ययन के अनुसार, मुंबई– कुआलालंपुर के लिए टिकट के दामों में सबसे ज्यादा गिरावट आई। इस रूट का किराया 28 फीसद घटकर 20,377 रुपये रह गया। यह पहले 28,342 रुपये था। मुंबई से सिडनी के टिकट के दाम 16 फीसद कम होकर 60,345 रुपये पर आ गए, जो पहले 72,169 रुपये थे।

स्पाइसजेट की 12 नई फ्लाइट

नो फ्रिल एयरलाइन स्पाइसजेट ने घरेलू मार्गो पर 19 सहित 22 नई उड़ानें जोड़ी हैं। समर शेड्यूल की शुरुआत के साथ एयरलाइन अपने परिचालन को 360 औसत दैनिक उड़ानों तक बढ़ाएगी। यह शेड्यूल 26 मार्च से 28 अक्टूबर तक के लिए है।पुराने एयरबस होंगे बाहर एयर इंडिया चालू वित्त वर्ष तक बचे हुए एयरबस क्लासिक ए320 विमानों को चरणबद्ध तरीके से निकालने का काम पूरा कर लेगी। एयर इंडिया के सीएमडी अश्वनी लोहानी ने बताया कि एयरलाइन अपने बेड़े से नौ ए320 विमानों को पहले ही विदा कर चुकी है। शेष छह विमानों को अगले साल मार्च तक सेवा से बाहर कर देने का इरादा है।

Kumar Associates

Soliciter & Advisor (Legal)

Delhi District Court & High court

Karanjeet Kumar (Advocate)

H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395

VARUN
Canvas Company

Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover

12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION ANTI-TERMITE TREATMENT

Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)

WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI, NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

fQYe txr

सोशल मीडिया के बल पर कैट का करियर संभल रहा है?

2005 में रामगोपाल वर्मा की 'सरकार' में कैटरीना एक अत्यंत संक्षिप्त भूमिका थीं। उस समय उन्हें हिंदी नहीं आती थी। उस समय शायद किसी ने कल्पना नहीं कि थी कैटरीना कैफ कभी शाहरूख सलमान और आमिर की नायिका बनेंगी परंतु अचानक चमत्कार हुआ और कैटरीना को अच्छे किरदार वाली बड़ी फिल्में मिलने लगीं। इनमें सलमान खान के अपोजिट 'मैने प्यार क्यूं किया' शामिल है। इस फिल्म और खासकर कैटरीना के लिए सलमान खान द्वारा की गई कोशिशों का नतीजा रहा कि वह इंडस्ट्री में बतौर एक्ट्रेस स्थापित हो गईं।

कैटरीना आजकल सिंगल हैं। कैटरीना को जब स्मिता पाटिल एवार्ड मिला तब उसकी जमकर आलोचना हुई। कैटरीना को बेहद प्रोफेशनल एक्ट्रेस माना जाता रहा है लेकिन रनबीर से हुए ब्रेकअप के बाद उनके पास काम नहीं है।

कैट को लेकर जो फिल्में शुरू होने वाली थीं, वे दूसरी एक्ट्रेसों की झोली में चली गईं। यह सिलसिला 'किक' के साथ शुरू हुआ। यह फिल्म पहले कैट करने वाली थीं लेकिन बाद में उनकी जगह जैकलीन आ गईं। उसके बाद 'रॉय', फिर 'किक 2'। लगता है कि यह सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है।

ब्रेकअप के बाद रनबीर कपूर और कैटरीना के रास्ते अलग अलग हो चुके हैं। दोनों के ब्रेकअप का सबसे ज्यादा खामियाजा 'जग्गा जासूस' को झेलना पड़ा है। अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म की शूटिंग और फिर प्रमोशन में कैटरीना ने काफी रोड़े पैदा किए।

कैटरीना कैफ पहले सोशल मीडिया को भरोसेमंद नहीं मानती थीं लेकिन जब कैट ने देखा कि रनबीर कपूर के साथ हुए अलगाव के लिए सिर्फ उन्हें दोषी ठहराया जा रहा है, तब उन्होंने अपनी बात को अपने फैंस तक पंहुचाये जाने के लिए सोशल मीडिया के तीन प्रमुख प्लेटफार्म 'फेसबुक', 'ट्विटर' और 'इंस्टाग्राम' से अपना नाता जोड़ लिया। इन दिनों कैटरीना सोशल मीडिया का जमकर इस्तेमाल कर रही हैं। काफी कुछ हद तक उन्होंने सोशल मीडिया की मदद से अपना करियर संभाल लिया है।

फल-फूल रहा है देह व्यापार

tनता, पुलिस और प्रशासन की नंगी आंखों के सामने दोस्ती और आवश्यकता के नाम पर 'देह व्यापार' बड़ी मौज–मस्ती से फल–फूल रहा है जिससे हमारी पावन पूज्य संस्कृति और पूरब की अनमोल पहचान धूल–धुसरित होती नजर ही नहीं केवल आ रही वरन् पाश्चात्य जगत के दूषित दलदल में डूबती चली जा रही है। देह व्यापार को सरकार द्वारा बंद करने और करवाने की बातें केवल झूठी और मनगढ़त बनती ही दिखाई पड़ती हैं।

बड़े समाचार पत्रों और पत्रिकाओं ने तो इनके प्रचार–प्रसार का एक जिम्मा सा ले लिया है जिससे देश के कर्णधार कहलाने वाले युवा सन्मार्ग पथ से भटक घोर कुमार्गगामी दृष्टिगोचर होते दिखाई पड़ते हैं। भयावह बीमारियों जैसे एड्स जैसी के शिकार हो समय से पहले मृत्यु का आलिंगन तक करते हैं।जिस भारत राष्ट्र में नारी को देवी की संज्ञा देकर पूजित करने का दंभ भरा जाता है, उस राष्ट्र का यह कौन सा दोमुंहा चेहरा है! आखिर इसके पीछे कौन है 'पापों का बाप !' उत्तर स्पष्ट है विलासिता और धन–लोलुपता की भारी आकांक्षा ने मानस मंदिर को केवल दूषित ही नहीं किया बल्कि सारी मानसिकता को नग्नता का जामा सा पहना दिया है। पहले जिस साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता था उसका स्थान पूरी तरह से अश्लील फिल्मों और दूरदर्शन ने ले लिया है। हिट फार्मूले अपनाने के चक्कर में दर्शकों की आंखों की थाली में मनोरंजन के नाम केवल सेक्स परोसना ही उनका पूरी तरह से मकसद बन चुका है।

lkjk lp viMsV fgUnh ikf{kd lekpkj i= ikIr djus d fy,

Subscription From / lnL;rk gsrq QkeZ

नाम : ....
पता : ....
शहर : ....पिन : ....
फोन : .... मोबाइल :.......................................
ईमेलः ....

समयावधि : एक वर्षः 100/–..............तीन वर्ष : 300/– ....
पांच वर्ष : 500/–...........आजीवन : 3000/– ....

भुगतान : नकद ....डीडी/चैक.........................

ukV % o"kZ ,d@rhu@ikap dh lnL;rk d fy, MhMh@pd ij 50@&vfrfjDr cd pktZ tkMdj nuk gkxkA Qkel lkQ lkQ Hkjdj lkjk lp viMV d uke MhMh@pd d Qkel d lkFk fuEu irs ij Hkst ;k d'k vkfQl eas tek djk,] Qkel vki www.sarasach.com / join-us/ ls dkih dj ldr gA

irk % 12@596] xyh ucj&2] oLV x: vxn uxj] fu;e Kku dat dkykuh] y{eh uxj] fnYyh&92

bl&ey & sarasach99@gmail.com, info@sarasach.com

ekckby % 999&000&4667 &7067 Qku% 011-65100636

कैशलेस नहीं हुई दिल्ली मेट्रो की टिकट वेंडिंग मशीनें

नई दिल्ली। राजधानी में मेट्रो स्टेशनों पर लगीं टिकट वेंडिंग मशीनें अब तक कैशलेस नहीं हुई हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) इन मशीनों के सिस्टम में बदलाव नहीं कर पाया है।

नोटबंदी के बाद डीएमआरसी ने कहा था कि स्टेशनों पर कैशलेस टोकन के लिए टिकट वेंडिंग मशीनों के सिस्टम में बदलाव किया जाएगा, जिससे कि लोग कैशलेस टोकन खरीदने के साथ स्मार्ट कार्ड रिचार्ज करा सकें।

मेट्रो स्टेशनों पर 496 टिकट वेंडिंग मशीनें लगाई गई हैं। इनमें डेबिट व क्रेडिट कार्ड के जरिये स्मार्ट कार्ड रिचार्ज कराने व टोकन लेने का विकल्प तो है, लेकिन वह सक्रिय नहीं है। इस संबंध में डीएमआरसी का कहना है कि मशीनों के सिस्टम में बदलाव करने की प्रक्रिया चल रही है। धीरे-धीरे सभी मशीनों से कैशलेस भुगतान शुरू हो सकेगा।

दिल्ली मेट्रो ने ऑनलाइन कैशलेस स्मार्ट कार्ड रिचार्ज कराने के लिए पेटीएम के बाद ओला मनी से समझौता किया है। इससे यात्रियों को ऑनलाइन स्मार्ट कार्ड रिचार्ज कराने के लिए एक और विकल्प मिल गया है। उल्लेखनीय है कि मेट्रो स्टेशनों पर पेटीएम के माध्यम से टोकन खरीदने की व्यवस्था करने पर डीएमआरसी को दिल्ली सरकार के गुस्से का सामना करना पड़ा था। दिल्ली सरकार का कहना था कि इससे डीएमआरसी निजी कंपनी को प्रोत्साहित कर रही है।

djkjh gkj ds ckn vke vkneh ikVhZ esa cM+s cnyko dh rS;kjh

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव में करारी शिकस्त पाने वाली आम आदमी पार्टी (आप) में बड़े बदलाव की पटकथा लिखने का सिलसिला शुरू हो गया है।

सूत्रों की मानें तो एमसीडी के परिणाम आते ही इस्तीफों की झड़ी ने आप को सकते में ला दिया है। इस बाबत दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद के घर पर विधायकों की बैठक बुलाई गई। इसमें चुनाव में हार को लेकर चर्चा की गई। सूत्रों की मानें तो आप के अगले दिल्ली संयोजक को लेकर चर्चा की गई।

कहा जा रहा है कि इस पद के लिए गोपाल राय के नाम पर सहमति बन गई है। जल्द ही उनके नाम का आधिकारिक एलान हो सकता है।

गोपाल राय

अरविंद केजरीवाल के बेहद करीबी नेताओं में शुमार गोपाल राय दिलीप पांडेय की जगह लेंगे। बता दें कि एमसीडी चुनाव में आप की करारी हार के बाद दिलीप पांडेय ने हार की जवाबदेही लेते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था।

गौरतलब है कि एमसीडी चुनावों में आम आदमी पार्टी की करारी शिकस्त के ही इस्तीफों का दौर शुरू हो गया था। पार्टी की दिल्ली इकाई के प्रेजिडेंट दिलीप पांडे ने भी इस्तीफा दे दिया था और अब कई अन्य नेताओं ने भी अपने इस्तीफे सौंप दिए।

अरविंद केजरीवाल के बेहद करीबी और पंजाब के प्रभारी रहे संजय सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके पास पंजाब चुनावों की जिम्मेदारी थी। उनके अलावा दिल्ली प्रदेश के प्रभारी आशीष तलवार ने भी एमसीडी चुनाव में हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। इस बीच पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने आवास पर दिल्ली के सभी विधायकों की मीटिंग बुलाई थी।

महिलाओं के लिए जल्द बनेंगे 6 हॉस्टल

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का महिला एवं बाल विकास विभाग छह वर्किंग वूमेल हॉस्टल बना रहा है। दिल्ली महिला आयोग के द्वारा जारी किए गए एक नोटिस के जवाब में महिला एवं बाल विकास विभाग ने यह जानकारी दी है।

डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली में कामकाजी महिलाओं के रहने के लिए बनाए जा रहे हॉस्टल को लेकर दिल्ली सरकार से जानकारी मांगी थी। जिस पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि दिल्ली में विश्वास नगर और रोहिणी में दो वर्किंग वूमेन हॉस्टल चल रहे हैं। दोनों हॉस्टल की क्षमता 212 है। इसके अलावा छह हॉस्टलों को बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। द्वारका में एक हॉस्टल बनकर तैयार हो गया है। इसे शुरू करने के लिए जल्द प्रक्रिया शुरू होने वाली है।

दूसरा हॉस्टल दिलशाद गार्डन में बनाया जाएगा। इस हॉस्टल के लिए जमीन खरीद ली गई है और 6 करोड़ रुपए मंजूर कर दिए गए हैं। तीसरा हॉस्टल पीतमपुरा में बनाया जाना है इस हॉस्टल की बिल्डिंग का डिजाइन मंजूरी के लिए भेज दिया गया है। चौथा हॉस्टल बसंत गांव में बनाया जाएगा। इस हॉस्टल के लिए पीडब्ल्यूडी से एस्टीमेट मांगा गया है। पांचवा हॉस्टल तुगलकाबाद में बनाया जाएगा और छठा हॉस्टल जनकपुरी में बनाया जाएगा।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बताया कि दिल्ली में देश के अलग-अलग राज्यों से महिलाएं काम करने के लिए आती हैं। उनके रहने के लिए दिल्ली में वर्किंग वूमेल हॉस्टल की बहुत सख्त जरुरत है। दिल्ली सरकार छह हॉस्टल बना रही है। जरुरत को देखते हुए अभी और भी कई हॉस्टल बनाने की जरुरत है।

eqfLye i Zlluy yk d s çfr tkx#drk d s fy, ns'k Hkj e s vfHk;ku

जयपुर। मुसलमानों में तीन तलाक, विवाह, संपत्ति के बंटवारे आदि को लेकर होने वाले विवादों के बारे में मुस्लिम पर्सनल लॉ क्या कहता है, इसकी जानकारी आम मुसलमान को देने के लिए जमाअते इस्लामी हिंद की ओर से रविवार से देशभर में 'मुस्लिम पर्सनल लॉ बेदारी' मुहिम चलाई जाएगी।

जमाअत के प्रदेशाध्यक्ष इंजीनियर खुर्शीद हुसैन ने बताया कि अभियान का उद्देश्य मुसलमानों को अपने पारिवारिक कानूनों से भली-भांति अवगत कराना है ताकि वे उनके अनुसार अपने घरेलू मामलों को हल करें और अपने जीवन को शरिअत के अनुरूप बनाने का प्रयास करें। इसके अलावा इस अभियान के जरिए मुस्लिम पर्सनल लॉ के बारे में फैल रहे भ्रम को भी दूर किया जाएगा।

प्रदेश महासचिव मोहम्मद नाजिमुद्दीन ने बताया कि इस समय मुस्लिम समाज के बहुत से लोग मुस्लिम पर्सनल लॉ से अनभिज्ञ हैं। इस कारण एक समय में तीन तलाक, बेटियों को विरासत में हिस्सा न देना, महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखना आदि समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं और इस्लाम विरोधी शक्तियां इसका लाभ उठाकर इस्लाम और उसके पर्सनल लॉ की न्यायसंगतता पर सवाल खड़े कर रही हैं। इस पर रोक लगाने या परिवर्तन करने की मांगें भी उठ रही हैं। नाजिमुद्दीन ने बताया कि अभियान के दौरान पूरे पखवाड़े, जमाअत की अधिकांश इकाइयों में नुक्कड़ सभाएं, आम सभाएं, बड़े शहरों में महिलाओं की आम सभाएं, विचार गोष्ठियां आदि आयोजित की जाएंगी। जयपुर में एक सिम्पोजियम लैंगिक न्याय एवं पारिवारिक कानून पर आयोजित किया जाएगा।

oSf'od vkradokn jks/kh ra= dks etcwr djus dh t:jr% ç.kc

नई दिल्ली। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा है कि वैश्विक आतंकवाद रोधी तंत्र को मजबूत करने की जरूरत है ताकि इस बुराई से अंतराष्ट्रीय समुदाय संयुक्त रूप से लड़ सके। मुखर्जी ने कहा कि भारत और साइप्रस आतंकवाद के अभिशाप से ग्रसित हैं।

उन्होंने साइप्रस के मेहमान राष्ट्रपति निकोस अनास्तासियादेस के सम्मान में आयाजित एक भोज में यह बात कही। उन्होंने साइप्रस के मौजूदा राष्ट्रपति की भारत की प्रथम राजकीय यात्रा पर स्वागत करते हुए कहा कि इस वैश्विक बुराई को किसी एक देश द्वारा नहीं बल्कि सभी सभ्य समाजों द्वारा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने की जरूरत है। मुखर्जी ने कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक कंवेंशन (सीसीआईटी) के मसौदा को अंतिम रूप देने के लिए और संयुक्त राष्ट्र में सीसीआईटी को शीघ, स्वीकार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र में एक आमराय बनाने की जरूरत है। मुखर्जी ने कहा कि आगंतुक राष्ट्रपति से पहले साइप्रस के लगभग सभी राष्ट्रपति ने भारत का दौरा किया है और इस परपंरा को उनके कायम रखने से भारत सम्मानित महसूस कर रहा। उन्होंने कहा कि साइप्रस के साथ लंबे और करीबी दोस्ती को भारत अहमियत देता है। उन्होंने कहा कि भारत और साइप्रस के बीच संबंध की नींव हमारे महान नेताओं महात्मा गांधी और आर्चबिशप माकारियोस ने रखी थी।

एनडीएमसी ने की स्वच्छता अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने 45 दिन तक चलने वाले स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत नई दिल्ली क्षेत्र के आवासीय परिसर और वाणिज्यिक संस्थानों को ठोस कचरा मुक्त बनाया जाएगा। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस तक नई दिल्ली क्षेत्र की पांच कॉलोनियों को मलबा रहित बनाने का लक्ष्य रहेगा। स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन भी किया जाएगा।

एनडीएमसी अध्यक्ष नरेश कुमार के मुताबिक नई दिल्ली क्षेत्र में स्थित 50 हजार आवासीय स्थल में रहने वाले लोगों को ठोस कचरे को नीले डिब्बे और हरे डिब्बे में डालने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस बारे में लोगों को ठोस कचरे को नीले डिब्बे और हरे डिब्बे में डालने के लिए जागरूक किया जाएगा।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद CENTENARY CELEBRATIONS

स्कूल व कॉलेज के छात्र और परिषद् के सफाई कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को मलबा डब्बे में डालने की जानकारी देंगे। ई-वेस्ट और घरेलू खतरनाक कचरे को इकट्ठा करके वैज्ञानिक ढंग से उसका निस्तारण करने संबंधी जानकारी दी जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना है।

उन्होंने बताया कि इसके लिए ब्राड एंबेसडर के तौर पर अरुणिमा सिन्हा और दीपा मलिक को नियुक्त किया गया, जो लोगों को सफाई के प्रति जागरूक करेंगे। नरेश का भी कहना था कि विश्व पर्यावरण दिवस तक नई दिल्ली क्षेत्र की पांच कॉलोनी रविंद्र नगर, काका नगर, गोल्फ लिंक, जोर बाग तथा चाणक्यपुरी को जीरो वेस्ट क्षेत्र के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। 45 दिन तक चलने वाले स्वच्छता अभियान के समापन के मौके पर 50 हजार लोगों को स्वच्छता संबंधी शपथ दिलाई जाएगी।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा मयंक ऑफसेट प्रोसेस 794/95, गुरु रामदास नगर एक्सटेंशन, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92 से मुद्रित व12/596, गली नंबर-2, वेस्ट गुरु अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92 से प्रकाशित।
संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच अपडेट पाक्षिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा.